



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 29 सितम्बर, 2022

आश्विन 7, 1944 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

दिव्यांगजन सशक्तिकरण अनुभाग-1

संख्या 1008/65-1-2022-88-2014

लखनऊ, 29 सितम्बर, 2022

अधिसूचना

प्रकीर्ण

सा0प0नि0-62

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तर प्रदेश विकलांग कल्याण विभाग अध्यापक सेवा नियमावली, 2000 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाती हैं।

उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अध्यापक सेवा (चतुर्थ संशोधन)

नियमावली, 2022

भाग-सामान्य

1-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अध्यापक सेवा (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2022 कही जायेगी।

संक्षिप्त नाम
और प्रारम्भ

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

2-उत्तर प्रदेश विकलांग कल्याण विभाग अध्यापक सेवा नियमावली, 2000 (वर्तमान संशोधन सहित यथा संशोधित) जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है में, उद्देशिका और दीर्घनाम सहित शब्द "विकलांग", "विकलांग कल्याण तथा विकलांग जन विकास विभाग अथवा निःशक्तजन सशक्तिकरण विभाग" जहाँ कहीं आये हों, के स्थान पर शब्द "दिव्यांगजन", "दिव्यांगजन सशक्तिकरण" तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग या दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग क्रमशः रख दिये जायेंगे।

साधारण
संशोधन

नियम 3 का संशोधन

3-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-3 के उपनियम (ख) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-1

विद्यमान नियम

3(ख) नियुक्ति प्राधिकारी का तात्पर्य दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य के पद के संबंध में राज्यपाल से है, मूक और बधिर हाईस्कूल विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शारीरिक रूप से अक्षम हाईस्कूल के प्रधानाचार्य के पदों के संबंध में तात्पर्य सरकार के विकलांगजन विकास विभाग के सचिव से है और सेवा के अन्य पदों के संबंध में तात्पर्य निदेशक, विकलांगजन विकास विभाग, उत्तर प्रदेश से है।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

3(ख) नियुक्ति प्राधिकारी का तात्पर्य प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कॉलेज/प्रधानाचार्य, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, संकेत मूक बधिर हाईस्कूल विद्यालयों के प्रधानाचार्य और प्रयास, शारीरिक रूप से अक्षम हाईस्कूल के प्रधानाचार्य और प्रधानाचार्य, स्पर्श, दृष्टिबाधित हाईस्कूल के पदों के संबंध में राज्यपाल से और सेवा के अन्य पदों के संबंध में तात्पर्य निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उत्तर प्रदेश से है।

नये उप नियम का बढ़ाया जाना

4-उक्त नियमावली में, विद्यमान नियम-3 के उपनियम (ट) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम (ठ) बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् -

“ठ” ‘अधीनस्थ आयोग’ का तात्पर्य उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से है।

नियम 5 का प्रतिस्थापन

5-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम (5) के उप नियमों 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13 और 14 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियम रख दिये जायेंगे, अर्थात्-

स्तम्भ-1

विद्यमान नियम

5-भर्ती का स्रोत-सेवा में विभिन्न श्रेणी के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी-
(1) प्रधानाचार्य, दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कॉलेज -

(एक) दस प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त दृष्टिबाधित हाईस्कूल के प्रधानाचार्य में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पन्द्रह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि रखता हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

5-भर्ती का स्रोत-सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी-
(1) प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कॉलेज/प्रधानाचार्य, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय-

(एक) दस प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित हाईस्कूल, प्रधानाचार्य संकेत मूक बधिर विद्यालय हाईस्कूल और प्रधानाचार्य प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय हाईस्कूल में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में बारह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि धारित करते हों तथा प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कॉलेज के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिग्री/डिप्लोमा के साथ ब्रेल लिपि का ज्ञान धारित करते हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम**

(दो) नब्बे प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज के प्रवक्ताओं में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा:

परन्तु यह कि यदि प्रोन्नत के लिये पात्र/उपयुक्त अभ्यर्थी के उपलब्ध न होने की दशा में पद को आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरा जायेगा।

(2) प्रधानाचार्य, दृष्टिबाधित हाईस्कूल-

मौलिक रूप से नियुक्त दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड) में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में चौदह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(3) प्रधानाचार्य, मूक और बधिर विद्यालय (हाईस्कूल)-

मौलिक रूप से नियुक्त मूक और बधिर जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाचार्यों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में चौदह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-2**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(दो) नब्बे प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज के प्रवक्ताओं/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों के प्रवक्ताओं में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में सोलह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा:

परन्तु यह कि यदि पदोन्नति के लिये पात्र/उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में उक्त पद को आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरा जायेगा।

(2) प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित हाईस्कूल-

मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक, (एल0टी0 ग्रेड) स्पर्श दृष्टिबाधित हाईस्कूल/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक और बधिर विद्यालय)/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक, (एल0टी0 ग्रेड) प्रयास शारीरिक रूप से विकलांग विद्यालयों में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में चौदह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा धारित करते हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(3) प्रधानाचार्य, संकेत मूक और बधिर विद्यालय (हाईस्कूल)-

(एक) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त संकेत मूक और बधिर जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाचार्यों में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक बधिर विद्यालय) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) प्रयास शारीरिक रूप से विकलांग विद्यालयों/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालयों/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवणक्षीणता) में डिप्लोमा धारित करते हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम****(4) प्रधानाचार्य, मूक और बधिर विद्यालय (जूनियर हाईस्कूल)-**

मौलिक रूप से नियुक्त मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड) में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में चौदह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(5) प्रधानाचार्य, शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय (हाईस्कूल)-

मौलिक रूप से नियुक्त शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से अविकसित प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड) में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में चौदह वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(6) प्रवक्ता दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज -

(एक) पचास प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड) में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा:

परन्तु यह कि यदि पदोन्नति के लिये पर्याप्त संख्या में पात्र या उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो मौलिक रूप से नियुक्त मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों को और शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के और मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों जिन्होंने भर्ती के वर्ष

स्तम्भ-2**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम****(4) प्रधानाचार्य, संकेत मूक और बधिर विद्यालय (जूनियर हाईस्कूल)-**

मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक संकेत मूक बधिर विद्यालय/ प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड) प्रयास शारीरिक रूप से विकलांग विद्यालय/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवणक्षीणता) में डिप्लोमा धारित करते हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(5) प्रधानाचार्य, प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम (हाईस्कूल)-

मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड)/प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापकों (संकेत मूक एवं बधिर विद्यालय)/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड) स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा धारित करते हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(6) प्रवक्ता, (स्पर्श दृष्टि बाधित राजकीय इण्टर कालेज/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) पचास प्रतिशत आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापकों (स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों) में से, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, आयोग के परामर्श से पदोन्नति द्वारा:

परन्तु यह और कि यदि प्रथम परन्तु के अधीन पदोन्नति के लिये पर्याप्त संख्या में पात्र या उपयुक्त अभ्यर्थी अब भी उपलब्ध न हों तो पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरा जा सकता है।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम**

के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से ब्रेल पद्धति की जानकारी के साथ डिप्लोमा या प्रमाण-पत्र रखते हों, को सम्मिलित करते हुये पात्रता के क्षेत्र का विस्तार किया जा सकता है:

परन्तु यह और कि प्रथम परन्तुक के अधीन यदि पदोन्नति के लिये पर्याप्त संख्या में पात्र या उपयुक्त अभ्यर्थी फिर भी उपलब्ध न हों तो पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरा जा सकता है।

(7) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) –

(एक) नब्बे प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा

(दो) दस प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त दृष्टिबाधित विद्यालयों के ऐसे प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट जे0टी0सी0 (जूनियर ग्रेड) अध्यापकों में से, जो स्नातक उपाधि रखते हों और भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा। ऐसी पदोन्नति के लिये ब्रेल पद्धति की जानकारी आवश्यक होगी :

परन्तु यह कि पदोन्नति के लिये पात्र/उपयुक्त अभ्यर्थी न होने पर पद को सीधी भर्ती द्वारा भरा जायेगा।

(8) मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड)-सीधी भर्ती द्वारा।**स्तम्भ-2****एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम****(7) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय) –**

(एक) पचास प्रतिशत आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापकों जे0टी0सी0 (कनिष्ठ वेतनमान)/स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालयों के शिल्प अध्यापक (संगीत)/जे0टी0सी0/संकेत मूक और बधिर विद्यालय/प्रयास शारीरिक रूप से दिव्यांग विद्यालय में से, जो स्नातक उपाधि धारित करते हों, और भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीणदृष्टि) में डिप्लोमा रखते हों, आयोग के परामर्श से पदोन्नति द्वारा:

परन्तु यह कि पदोन्नति के लिये पात्र/उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर उक्त पद को सीधी भर्ती द्वारा भरा जा सकता है।

(8) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक एवं बधिर विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) पचास प्रतिशत आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापकों जे0टी0सी0 (कनिष्ठ वेतनमान)/संकेत मूक एवं बधिर विद्यालयों के शिल्प अध्यापक (संगीत) जे0टी0सी0/ स्पर्श दृष्टि बाधित विद्यालय/प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय में से, जो स्नातक उपाधि धारित करते हों और भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवणक्षीणता)/ (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा रखते हों, आयोग के परामर्श से पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम**

(9) शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0ग्रेड) अध्यापक-

(एक) पचास प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के एच0टी0सी0/जे0टी0सी0 अध्यापकों में से जो संबंधित विषय में स्नातक उपाधि रखते हों और भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में दस वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(10) मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0ग्रेड) अध्यापक-सीधी भर्ती द्वारा।

(11) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट (जे0टी0सी0) अध्यापक (कनिष्ठ वेतनमान)-सीधी भर्ती द्वारा।

(12) शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट (जे0टी0सी0) अध्यापक (कनिष्ठ वेतनमान)-सीधी भर्ती द्वारा।

स्तम्भ-2**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(9) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय/ समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) पचास प्रतिशत आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के अध्यापकों, संकेत मूक बधिर विद्यालयों/स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों/प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक जे0टी0सी0 अध्यापकों में से जो स्नातक उपाधि धारित करते हों और भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा धारित करते हों, आयोग के परामर्श से पदोन्नति द्वारा।

(10) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) पचास प्रतिशत आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

(दो) पचास प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालय/संकेत मूक बधिर विद्यालय/स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालय/प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के ऐसे प्रशिक्षित अवर स्नातक जे0टी0सी0 (कनिष्ठ वेतनमान) अध्यापकों में से, जो स्नातक उपाधि धारित करते हों और भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों, और जो भारतीय पुनर्वास परिषद, (आर0सी0आई0) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (मानसिक रूप से अविकसित) में डिप्लोमा धारित करते हों, आयोग के परामर्श से पदोन्नति द्वारा।

(11) स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0) अध्यापक (कनिष्ठ वेतनमान) अधीनस्थ आयोग के माध्यम से-

सीधी भर्ती द्वारा।

(12) प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0) अध्यापक और ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक-अधीनस्थ आयोग के माध्यम से।

सीधी भर्ती द्वारा।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम**

(13) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प (संगीत) अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-
सीधी भर्ती द्वारा।

(14) शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक (एच0टी0सी0 ग्रेड) (प्रारम्भिक वेतनमान)-
सीधी भर्ती द्वारा।

स्तम्भ-2**एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(13) स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प अध्यापक (संगीत) (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-अधीनस्थ आयोग के माध्यम से-
सीधी भर्ती द्वारा।

(14) प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक (एच0टी0सी0 ग्रेड) (प्रारम्भिक वेतनमान)-
अधीनस्थ आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

6-उक्त नियमावली में, विद्यमान नियम 5 के उप नियम 14 के पश्चात् नया उप नियम 15 बढ़ा दिया जायेगा, अर्थात् :-

नये उप नियम 15 का बढ़ाया जाना

15-संकेत मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक-

अधीनस्थ आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

7-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ 1 में दिये गये विद्यमान नियम 8 के स्थान पर स्तम्भ 2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

नियम 8 का प्रतिस्थापन

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम****8-शैक्षिक अर्हता-**

सेवा में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी की निम्नलिखित अर्हताएं होनी आवश्यक है :-

(1) प्रवक्ता दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज-अनिवार्य :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से क्षीण दृष्टि में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 या एम0एड0 की उपाधि।

(तीन) ब्रेल पद्धति में अंग्रेजी/हिन्दी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

अधिमानी :-

क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

स्तम्भ-2**एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम****8-शैक्षणिक अर्हता-**

सेवा में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती हेतु अभ्यर्थी के लिये निम्नलिखित अर्हताएं धारित करना आवश्यक है :-

(1) प्रवक्ता, (स्पर्श दृष्टिबाधित इंटर् कालेज/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय) :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से बी0एड0 की उपाधि के साथ दृष्टिक्षीणता/श्रवणक्षीणता में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 या एम0एड0 की उपाधि।

(तीन) ब्रेल पद्धति/सांकेतिक भाषा में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों/श्रवण क्षीण जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम

(2) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0 ग्रेड) अध्यापक-

अनिवार्य :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) ब्रेल पद्धति में अंग्रेजी/हिन्दी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।

(3) मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0 ग्रेड) अध्यापक-

अनिवार्य :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवण क्षीणता) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से श्रवणक्षीणता अध्यापन में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) सांकेतिक भाषा में अंग्रेजी/हिन्दी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) श्रवणक्षीण जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-2

एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

(2) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड) विशिष्ट अध्यापक (स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय) -

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) ब्रेल पद्धति में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

(3) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड) विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक बधिर विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवण क्षीणता) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से श्रवण क्षीणता अध्यापन में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) सांकेतिक भाषा में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) श्रवण क्षीण जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) श्रवणक्षीण जनों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

(4) शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड) -

अनिवार्य :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/ प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से चल निःशक्तता/ प्रमस्तिष्क घात में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात से ग्रस्त छात्रों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

(5) मानसिक अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक- (एल0टी0 ग्रेड)

अनिवार्य :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक की उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0 आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (मानसिक रूप से अविकसित) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से मानसिक विकास क्षेत्र में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) मानसिक विकास में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-2
एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

(4) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) विशिष्ट अध्यापक (प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से चल निःशक्तता/ प्रमस्तिष्क घात में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

(5) प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) विशिष्ट अध्यापक (ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक उपाधि।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (मानसिक रूप से अविकसित) में डिप्लोमा या भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से मानसिक विकास क्षेत्र में आर0सी0आई0 द्वारा मान्यता प्राप्त विशिष्ट बी0एड0 की उपाधि।

(तीन) मानसिक विकास में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि।

(दो) मानसिक रूप से अविकसित जनों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।

(6) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-

अनिवार्य :-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा।

(तीन) ब्रेल पद्धति में अंग्रेजी/हिन्दी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद आर0सी0आई0 में पंजीकरण।

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक की उपाधि।

(दो) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

(7) शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-

अनिवार्य :-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा।

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद आर0सी0आई0 में पंजीकरण।

स्तम्भ-2
एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

(6) स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक (जे0टी0सी0) (कनिष्ठ वेतनमान)-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा।

(तीन) ब्रेल पद्धति में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

(7) प्रयास शारीरिक रूप से विकलांग और मानसिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0) (कनिष्ठ वेतनमान)-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा।

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक की उपाधि।

(दो) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात से ग्रस्त छात्रों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।

(8) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प (संगीत) अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-

अनिवार्य :-

(एक) एक विषय के रूप में संगीत के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो या संगीत में कोई समकक्ष डिप्लोमा।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा।

(तीन) ब्रेल पद्धति में अंग्रेजी/हिन्दी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद आर0सी0आई0 में पंजीकरण।

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय (संगीत) में स्नातक की उपाधि।

(दो) क्षीण दृष्टि जनों को संगीत अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का अनुभव।

(9) शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक (एच0टी0सी0 ग्रेड) (प्राथमिक वेतनमान)-

अनिवार्य :-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा।

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(8) दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प (संगीत) अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-

(एक) एक विषय के रूप में संगीत के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो या संगीत में कोई समकक्ष डिप्लोमा।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (क्षीण दृष्टि) में डिप्लोमा।

(तीन) ब्रेल पद्धति में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) क्षीण दृष्टि जनों के अध्यापन के लिये विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

(9) शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक (एच0टी0सी0 ग्रेड) (प्राथमिक वेतनमान)-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात) में डिप्लोमा।

स्तम्भ-1**विद्यमान नियम**

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद आर0सी0आई0 में पंजीकरण।

अधिमानी :-

(एक) भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक की उपाधि।

(दो) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात से ग्रस्त छात्रों के अध्यापन का कम से कम एक वर्ष का अनुभव।

स्तम्भ-2**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(तीन) चल निःशक्तता/प्रमस्तिष्क घात विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

नये उपनियमों 10 एवं 11 का बढ़ाया जाना

8-उक्त नियमावली में, विद्यमान नियम-8 के उप नियम 9 के पश्चात नये उप नियम 10 एवं 11 बढ़ा दिये जायेंगे, अर्थात् :-

10-संकेत मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड)

अध्यापक-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (श्रवण क्षीणता) में डिप्लोमा।

(तीन) सांकेतिक भाषा में हिन्दी/अंग्रेजी में पढ़ने और लिखने का ज्ञान।

(चार) श्रवण क्षीणजन के अध्यापन में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

11-ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक-

(एक) माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो।

(दो) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0), भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्था से विशिष्ट शिक्षा (मानसिक रूप से अविकसित) में डिप्लोमा।

(तीन) मानसिक अविकास में विशिष्ट शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) में पंजीकरण।

नियम 10 का संशोधन

9-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-10 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-1**विद्यमान परिशिष्ट**

10-आयु-सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी ने उस कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई को जिसमें रिक्तियां विज्ञापित की जायें, नीचे सारणी में दिये गये पद के सम्मुख विनिर्दिष्ट न्यूनतम आयु प्राप्त कर ली हो और अधिकतम से अधिक आयु प्राप्त न की हो :-

क्र०सं०	पद का नाम	न्यूनतम आयु	अधिकतम आयु
1	2	3	4
1	प्रवक्ता, राजकीय दृष्टिबाधित इण्टर कालेज	21 वर्ष	35 वर्ष
2	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0ग्रेड) अध्यापक	21 वर्ष	35 वर्ष

स्तम्भ-1
विद्यमान परिशिष्ट

1	2	3	4
3	मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0ग्रेड) अध्यापक	21 वर्ष	35 वर्ष
4	शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक (एल0टी0ग्रेड) अध्यापक	21 वर्ष	35 वर्ष
5	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट (जे0टी0सी0) (कनिष्ठ वेतनमान) अध्यापक	18 वर्ष	35 वर्ष
6	शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट जे0टी0सी0 (कनिष्ठ वेतनमान) अध्यापक	21 वर्ष	35 वर्ष
7	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प (संगीत) (जे0टी0सी0) (कनिष्ठ वेतनमान) अध्यापक	18 वर्ष	35 वर्ष
8	शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट (एच0टी0सी0) (प्रारम्भिक वेतनमान) अध्यापक	18 वर्ष	35 वर्ष
9	प्रधानाचार्य, दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज	26 वर्ष	35 वर्ष

परन्तु यह कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और ऐसी अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जायें, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी, जितनी विनिर्दिष्ट की जाये।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट

10-आयु-सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी ने उस कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई को जिसमें रिक्तियां विज्ञापित की जायें, नीचे सारणी में दिये गये पद के समक्ष विनिर्दिष्ट न्यूनतम आयु प्राप्त कर ली हो और अधिकतम से अधिक आयु प्राप्त न की हो:-

क्र०सं०	पद का नाम	न्यूनतम आयु	अधिकतम आयु
1	2	3	4
1	प्रवक्ता, (स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)	21 वर्ष	40 वर्ष
2	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड)/ विशिष्ट अध्यापक (स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालय/ समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)	21 वर्ष	40 वर्ष
3	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड)/ विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक एवं बधिर विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)	21 वर्ष	40 वर्ष
4	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड)/ विशिष्ट अध्यापक (प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)	21 वर्ष	40 वर्ष

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट

1	2	3	4
5	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0 ग्रेड)/विशिष्ट अध्यापक (ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालय)	21 वर्ष	40 वर्ष
6	प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक (जे0टी0सी0) (कनिष्ठ वेतनमान)- सीधी भर्ती द्वारा	21 वर्ष	40 वर्ष
7	स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)-सीधी भर्ती द्वारा	21 वर्ष	40 वर्ष
8	स्पर्श दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प (संगीत) अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड) (कनिष्ठ वेतनमान)	21 वर्ष	40 वर्ष
9	प्रयास शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (एच0टी0सी0 ग्रेड) (प्रारम्भिक वेतनमान) अध्यापक- सीधी भर्ती द्वारा	21 वर्ष	40 वर्ष
10	संकेत मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक	21 वर्ष	40 वर्ष
11	ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक	21 वर्ष	40 वर्ष

परन्तु यह कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और ऐसी अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जायें, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी, जितनी विनिर्दिष्ट की जाये।

नियम 14 का प्रतिस्थापन

10-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये वर्तमान नियम-14 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

14-रिक्तियों की अवधारणा नियुक्ति प्राधिकारी भर्ती के वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या अवधारित करेगा-

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

14-रिक्तियों का अवधारण नियुक्ति प्राधिकारी, भर्ती वर्ष के प्रक्रम के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा और उसकी सूचना यथास्थिति आयोग अथवा अधीनस्थ आयोग को देगा।

11-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 15 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

नियम 15 का प्रतिस्थापन

स्तम्भ-1

विद्यमान नियम

15-सीधी भर्ती की प्रक्रिया सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर सीधी भर्ती समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया नियमावली, 2002 के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

15-अधीनस्थ आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती की प्रक्रिया सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर सीधी भर्ती समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती (रीति एवं प्रक्रिया) नियमावली, 2015 के अनुसार की जाएगी।

12-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 15-क के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जाएगा, अर्थात् :-

नियम 15-क का प्रतिस्थापन

स्तम्भ-1

विद्यमान नियम

15-क-प्रधानाचार्य, राजकीय दृष्टिबाधित इंटर कालेज के पद पर आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती की प्रक्रिया।

1-चयन के लिये विचारार्थ आवेदन-पत्र, आयोग द्वारा जारी किए गए विज्ञापन के प्रकाशित प्रपत्र में आयोग द्वारा आमंत्रित किये जायेंगे।

2-आयोग, नियम-6 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों से संबंधित अभ्यर्थियों का सम्यक् प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये, उतनी संख्या में अभ्यर्थियों को, जितनी वह उचित समझे, साक्षात्कार के लिये बुलाएगा जो अपेक्षित अर्हताएं पूरी करते हों।

3-आयोग, अभ्यर्थियों की उनकी प्रवीणता क्रम में जैसा कि प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों से प्रकट हों, एक सूची तैयार करेगा। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो अभ्यर्थियों के नाम आयोग के सामान्य नीति के अनुसार रखे जायेंगे। आयोग सूची को नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगा।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

15-क-आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती की प्रक्रिया।

(1) प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुज्ञा हेतु आवेदन, आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में प्रकाशित प्रपत्र में आयोग द्वारा आमंत्रित किये जायेंगे।

(2) किसी अभ्यर्थी को परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा, जब तक कि उसके पास आयोग द्वारा जारी किया गया प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

(3) लिखित परीक्षा का परिणाम प्राप्त किये जाने और सारणीबद्ध किये जाने के पश्चात् आयोग, नियम-6 के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों का सम्यक् प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये, अभ्यर्थियों की एक सूची तैयार करेगा जो इस संबंध में आयोग द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार हों।

(4) आयोग, अभ्यर्थियों की उनकी प्रवीणता के क्रम में, जैसा कि लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त किये गये अंकों से प्रकट हो, एक सूची तैयार करेगा। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को सूची में उच्चतर स्थान पर रखा जायेगा। आयोग, नियुक्ति प्राधिकारी को सूची अग्रसारित करेगा।

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

स्तम्भ-2
एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

टिप्पणी-प्रतियोगी परीक्षा के लिये पाठ्यक्रम और नियम ऐसे होंगे जो समय-समय पर सरकार की सहमति से आयोग द्वारा विहित किये जायेंगे।

नियम 16 का
प्रतिस्थापन

13-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 16 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात :-

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

स्तम्भ-2
एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

6-पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया 16 (क) पदोन्नति द्वारा भर्ती अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश विभागीय पदोन्नति समिति का गठन (सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों के लिये) नियमावली, 1992 के उपबन्ध के अनुसार गठित चयन समिति के माध्यम से की जायेगी।

16 (क) पदोन्नति हेतु आयोग द्वारा भर्ती की प्रक्रिया-

पदोन्नति द्वारा भर्ती अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश, लोक सेवा आयोग सपरामर्श चयनोन्नति (प्रक्रिया) नियमावली, 1970 के अनुसार की जायेगी।

16 (ख) विभागीय चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया-

(1) पदोन्नति द्वारा भर्ती समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश विभागीय पदोन्नति समिति का गठन (सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों के लिये) नियमावली, 1992 के उपबन्धों के अनुसार गठित चयन समिति के माध्यम से समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक पदोन्नति द्वारा भर्ती के लिये मानदण्ड नियमावली, 1994 में दिये गये मानदण्डों के आधार पर की जायेगी।

टिप्पणी-

(1) चयन समिति में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नाम-निर्देशन अधिनियम, 1994 की धारा-7 के अधीन दिये गये आदेश के अनुसार किया जायेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की पात्रता सूची समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश (लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों पर) चयनोन्नति पात्रता सूची नियमावली, 1986 के अनुसार तैयार करेगा और उसे उसकी चरित्र पंजीकों और उनसे संबंधित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जायें, चयन समिति के समक्ष रखेगा:

टिप्पणी-

(1) चयन समिति में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नाम-निर्देशन अधिनियम की धारा-7 के अधीन दिये गये आदेश के अनुसार किया जायेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की पात्रता सूचियां समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश (लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर के पदों पर) चयनोन्नति पात्रता सूची नियमावली, 1986 के अनुसार तैयार करेगा और उसे उसकी चरित्र पंजीकों और उनसे संबंधित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जायेंगे, चयन समिति के समक्ष रखेगा:

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

स्तम्भ-2
एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

परन्तु जहाँ दो या दो से अधिक पोषक संवर्ग हों :-

(क) भिन्न-भिन्न वेतनमान होने पर उच्च वेतनमान वाले संवर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।

(ख) समान वेतनमान होने पर अभ्यर्थियों के नाम उनके अपने-अपने संवर्ग में मौलिक नियुक्ति के दिनांक के क्रम में पात्रता सूची में रखे जायेंगे। किन्तु यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों की मौलिक नियुक्ति का एक ही दिनांक हो तो ऐसी स्थिति में अधिक आयु के अभ्यर्थी का नाम पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।

(3) चयन समिति उपनियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार करेगी और यदि वह आवश्यक समझे तो अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी कर सकती है।

(4) चयन समिति चयन किये गये अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता क्रम में जैसी उस संवर्ग में हो, जिससे उनकी पदोन्नति की जानी है, एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

परन्तु यह कि जहाँ दो या दो से अधिक पोषक संवर्ग हों :-

(क) भिन्न-भिन्न वेतनमान होने पर उच्च वेतनमान वाले संवर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।

(ख) समान वेतनमान होने पर अभ्यर्थियों के नाम उनके अपने-अपने संवर्ग में मौलिक नियुक्ति के दिनांक के क्रम में पात्रता सूची में रखे जायेंगे, किन्तु यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों की मौलिक नियुक्ति का एक ही दिनांक हो तो ऐसी स्थिति में आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी का नाम पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।

(3) चयन समिति उपनियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार करेगी और यदि वह आवश्यक समझे तो अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी कर सकती है।

(4) चयन समिति चयन किये गये अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता क्रम में, जैसी उस संवर्ग में हो, जिससे उनकी पदोन्नति की जानी है, एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

14-उक्त नियमावली में, नियम 18 में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उपनियम 1 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

नियम 18 का संशोधन

स्तम्भ-1

विद्यमान उपनियम

(1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुये नियुक्त प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नाम उसी क्रम में लेकर जिसमें यथास्थिति नियम 15, 16, 17 के अधीन तैयार की गयी सूची में आये हों, नियुक्तियां करेगा।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम

(1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अध्याधीन नियुक्ति प्राधिकारी, अभ्यर्थियों के नाम उसी क्रम में लेकर, जिसमें वे, यथास्थिति नियम 15, 15-क, 16-क, 16-ख या 17 के अधीन तैयार की गयी सूची में आये हों, नियुक्ति करेगा।

15-उक्त नियमावली में नियम 22 में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 22 के उपनियम 2 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया उपनियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

नियम 22 का संशोधन

स्तम्भ-1

विद्यमान उपनियम

22(2)-इस नियमावली के प्रारम्भ के समय वेतनमान परिशिष्ट में दिये गये हैं।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित उपनियम

22(2)-उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अध्यापक सेवा (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2022 के प्रारम्भ के समय वेतनमान परिशिष्ट में दिये गये हैं :-

परिशिष्ट का प्रतिस्थापन

16-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान परिशिष्ट के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया परिशिष्ट रख दिया जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-1

विद्यमान परिशिष्ट
परिशिष्ट
(नियम 4(2) और 22(2) देखें)

क्र०सं०	पद का नाम	ग्रेड	पदों की संख्या			संस्था जिसके लिये पद सृजित किया गया है	वेतनमान			अभ्युक्ति
			स्थायी	अस्थायी	योग		वेतन बैंड का नाम	तत्सदृश वेतन बैंड (रु०)	तत्सदृश ग्रेड वेतन (रु०)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	प्रधानाचार्य, इण्टर कालेज	-	-	3	3	दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज लखनऊ (बालक)-1 लखनऊ (बालिका)-1 गोरखपुर-1	वेतन बैंड-3	रु० 15600-39100	7600	
2	प्रधानाचार्य, हाईस्कूल	-	2	-	2	मूक और बधिर राजकीय हाईस्कूल आगरा-1 गोरखपुर-1	वेतन बैंड-3	रु० 15600-39100	5400	
3	प्रधानाचार्य, हाईस्कूल	-	2	-	2	शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालय लखनऊ-1 प्रतापगढ़-1	वेतन बैंड-3	रु० 15600-39100	5400	
4	प्रधानाचार्य, हाईस्कूल	-	2	-	2	दृष्टिबाधित राजकीय हाईस्कूल बाँदा -1 सहारनपुर-1	वेतन बैंड-3	रु० 15600-39100	5400	
5	प्रधानाचार्य, जूनियर हाईस्कूल	-	2	-	2	मूक और बधिर राजकीय जूनियर हाईस्कूल फर्रुखाबाद-1 बरेली-1	वेतन बैंड-2	रु० 9300-34800	4800	
6	प्रवक्ता	प्रवक्ता ग्रेड	-	24	24	दृष्टिबाधित राजकीय इण्टर कालेज लखनऊ (बालक)-8 लखनऊ (बालिका)-8 गोरखपुर-8	वेतन बैंड-2	रु० 9300-34800	4800	

स्तम्भ-1

विद्यमान परिशिष्ट

क्र०सं०	पद का नाम	ग्रेड	पदों की संख्या	संस्था जिसके	वेतनमान	अभ्युक्ति
---------	-----------	-------	----------------	--------------	---------	-----------

			स्थायी	अस्थायी	योग	लिये पद सृजित किया गया है	वेतन बैण्ड का नाम	तत्सदृश वेतन बैण्ड (रु०)	तत्सदृश ग्रेड वेतन (रु०)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक	एल0टी0 ग्रेड	10	25	35	राजकीय इण्टर कालेज लखनऊ (बालक)-9 लखनऊ (बालिका)-9 गोरखपुर-9 राजकीय जूनियर हाईस्कूल सहारनपुर-3 बौदा-5	वेतन बैण्ड-2	रु० 9300- 34800	4600	
8	मूक और बधिर विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक	एल0टी0 ग्रेड	15	07	22	राजकीय हाईस्कूल आगरा-8 गोरखपुर-3 राजकीय जूनियर हाईस्कूल फर्रुखाबाद-4 बरेली-7	वेतन बैण्ड-2	रु० 9300- 34800	4600	
9	मन्दबुद्धि और शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक	एल0टी0 ग्रेड	4	4	8	शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय हाईस्कूल प्रतापगढ़-2 लखनऊ-2 मानसिक रूप से अविकसित राजकीय विद्यालय इलाहाबाद-2 लखनऊ-2	वेतन बैण्ड-2	रु० 9300- 34800	4600	
10	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक	जे0टी0सी0 ग्रेड (कनिष्ठ वेतनमान)	2	12	14	राजकीय इण्टर कालेज लखनऊ (बालक)-4 लखनऊ (बालिका)-4 गोरखपुर-4 राजकीय जूनियर हाईस्कूल सहारनपुर-2	वेतन बैण्ड-2	रु० 9300- 34800	4200	
11	शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक	जे0टी0सी0 ग्रेड (कनिष्ठ वेतनमान)	4	-	4	राजकीय हाईस्कूल लखनऊ-2 प्रतापगढ़-2	वेतन बैण्ड-2	रु० 9300- 34800	4200	

स्तम्भ-1
विद्यमान परिशिष्ट

क्र०सं०	पद का नाम	ग्रेड	पदों की संख्या			संस्था जिसके लिये पद सृजित किया गया है	वेतनमान			अभ्युक्ति
			स्थायी	अस्थायी	योग		वेतन बैंड का नाम	तत्सदृश वेतन बैंड (रु०)	तत्सदृश ग्रेड वेतन (रु०)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
12	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प अध्यापक (संगीत)	जे०टी०सी० ग्रेड (कनिष्ठ वेतनमान)	4	6	10	राजकीय इंटर कालेज लखनऊ (बालक)-2 लखनऊ (बालिका)-3 गोरखपुर-4 राजकीय जूनियर हाईस्कूल सहारनपुर-1	वेतन बैंड-2	रु० 9300-34800	4200	
13	शारीरिक रूप से अक्षम राजकीय विद्यालयों के प्रशिक्षित अण्डर ग्रेजुएट अध्यापक	एच०टी० सी० ग्रेड (प्राथमिक वेतनमान)	4	-	4	राजकीय हाईस्कूल लखनऊ-2 प्रतापगढ़-2	वेतन बैंड-2	रु० 9300-34800	4200	

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट
(नियम-4(2) और 22(2) देखें)

क्र०सं०	पदनाम	ग्रेड	पदों की संख्या			वेतन मैट्रिक्स		अभ्युक्ति
			स्थायी	अस्थायी	योग	लेवल	वेतनमान	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	प्रधानाचार्य, स्पर्श दृष्टिबाधित राजकीय इंटर कालेज/ प्रधानाचार्य, समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय	-	6	4	10	लेवल-12	रु० 78800-209200	
2	प्रधानाचार्य, हाईस्कूल (स्पर्श, संकेत, प्रयास)	-	5	-	5	लेवल-10	रु० 56100-177500	
3	प्रधानाचार्य, जूनियर हाईस्कूल	-	3	-	3	लेवल-8	रु० 47600-151100	
4	प्रवक्ता, (स्पर्श दृष्टिबाधित इंटर कालेज/समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय)	-	48	36	84	लेवल-8	रु० 47600-151100	

स्तम्भ-2

**एतद्वारा प्रतिस्थापित परिशिष्ट
(नियम-4(2) और 22(2) देखें)**

क्र०सं o	पदनाम	ग्रेड	पदों की संख्या			वेतन मैट्रिक्स		अभ्युक्ति
			स्थायी	अस्थायी	योग	लेवल	वेतनमान	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
5	प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (एल0टी0ग्रेड) विशिष्ट अध्यापक (संकेत मूक बधिर विद्यालय/समेकित विशेष माध्यमिक)	एल0टी0 ग्रेड	86	62	148	लेवल-7	रु0 44900-142400	
6	संकेत मूक और बधिर विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक (जे0टी0सी0 ग्रेड) अध्यापक	जे0टी0सी0 ग्रेड	-	15	15	लेवल-6	रु0 35400-112400	
7	ममता मानसिक रूप से अविकसित विद्यालयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (जे0टी0सी0 ग्रेड)	जे0टी0सी0 ग्रेड	-	02	02	लेवल-6	रु0 35400-112400	
8	शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक	एच0टी0सी0 ग्रेड (प्रारम्भिक वेतनमान)	4	-	4	लेवल-6	रु0 35400-112400	
9	शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक	जे0टी0सी0 ग्रेड (कनिष्ठ वेतनमान)	4	-	4	लेवल-6	रु0 35400-112400	
10	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित अवर स्नातक अध्यापक	जे0टी0सी0 ग्रेड (कनिष्ठ वेतनमान)	26	-	26	लेवल-6	रु0 35400-112400	
11	दृष्टिबाधित विद्यालयों के प्रशिक्षित शिल्प अध्यापक (संगीत)	जे0टी0सी0 (संगीत)	19	-	19	लेवल-6	रु0 35400-112400	
योग			201	119	320			

17-उक्त नियमावली में, विद्यमान नियम 24 निकाल दिया जायेगा।

नियम 24 का
निकाला जाना

आज्ञा से,
हेमन्त राव,
अपर मुख्य सचिव।

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no.1008/LXV-1-2022-88-2014, dated September 29, 2022:

No. 1008/LXV-1-2022-88-2014

Dated Lucknow, September 29, 2022

IN exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the Governor is pleased to make the following rules with a view to amending the Uttar Pradesh Handicapped Welfare Department Teachers Service Rules, 2000.

THE UTTAR PRADESH DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS
WITH DISABILITIES TEACHERS SERVICE (FOURTH AMENDMENT)
RULES, 2022

PART-1- GENERAL

Short title and commencement 1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Department of Empowerment of Persons with Disabilities Teachers Service (Fourth Amendment) Rules, 2022

(2) They shall come into force at once.

General Amendment 2. In the Uttar Pradesh Handicapped Welfare Department Teachers Service Rules, 2000 (as amended, including the present amendment), hereinafter referred to as the said rule, for the words "Handicapped", "Handicapped welfare" and "Viklang Jan Vikas Vibhag or Department of Empowerment of Persons with Disabilities" where ever occurring including the preamble, the long title, the words "Divyangjan", "Divyangjan Sashaktikaran and "Divyangjan Sashaktikaran Vibhag or Department of Empowerment of Persons with Disabilities" shall be *substituted* respectively.

Amendment of Rule-3 3. In the said rules, *for* existing sub rule (b) of rule 3 as set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing rule

3(b)-'Appointing Authority' in respect of the post of Principal, Government Inter College for visually handicapped means the Governor; in respect of the posts of Principal, Schools for Deaf and Dumb High School, Principal High School Physically handicapped means the Secretary to the Government in the Viklang Jan Vikas Vibhag and in respect of other posts in the Service means, the Director, Viklang Jan Vikas Vibhag Uttar Pradesh.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

3(b)-'Appointing Authority' in respect of the post of Principal Sparsh Government Inter College for visually handicapped/ Principal Samekit Vishesh Madhyamik Vidiyalaya, Principal, Sanket Schools for Deaf and Dumb High School and Principal Prayas High School for Physically handicapped and Principal Sparsh High School for visually handicapped means the Governor; and in respect of other posts in the Service means, the Director, Department of Empowerment of Persons with Disabilities Uttar Pradesh.

Insertion of New Sub-rule 4. In the said rule, after existing sub-rule (K) of rule 3, the following sub-rule (L) shall be *inserted*, namely:-

(L) 'Subordinate Commission' means the Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission.

Substitution of rule 5 5. In the said rules, *for* existing sub rules 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13 and 14 of rule 5 as set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing rule

5. **Source of recruitment-** Recruitment to the various categories of posts in the service shall be made from following sources-

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

5. **Source of recruitment-** Recruitment to the various categories of posts in the service shall be made from following sources-

COLUMN-1

Existing rule

(1) Principal, Government Inter College for Visually Handicapped-

(i) Ten Percent, by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Principal high schools for Visually Handicapped, who have completed fifteen years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess a post graduate degree from a University Established by law in India.

(ii) Ninety Percent, by the Promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Lecturer Government Inter college Visually Handicapped, who have completed fifteen years service as such on the first day of the year of recruitment:

Provided that in case of non-availability of eligible/suitable candidates for promotion, the post may be filled by direct recruitment through the commission.

(2) Principal, High School for Visually Handicapped-by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) of Schools for Visually Handicapped who have completed Fourteen years of service as such on first day of the year of recruitment.

(3) Principal, School for Deaf and Dumb (High School)- by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Principal of Junior High School for Deaf and Dumb who have completed Fourteen years of service as such on first day of the year of recruitment.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

(1) Principal Sparsh Government Inter College for visually handicapped/ Principal Samekit Vishesh Madhyamik Vidiyalaya-

(i) Ten Percent by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Principal Sparsh high schools for Visually Handicapped, Principal Sanket Schools for Deaf and Dumb High School and Principal Prayas High School for Physically handicapped who have completed twelve years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess a Post Graduate degree from a University established by law in India and for Principal Sparsh Government Inter College for visually handicapped who possess the knowledge of Braille with a degree/diploma in special education (Visually Impaired) from an institution recognised by Government.

(ii) Ninety Percent, by the Promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Lecturer Sparsh Government Inter College for visually handicapped/ Lecturer Samekit Vishesh Madhyamik Vidiyalaya who have completed sixteen years service as such on the first day of the year of recruitment:

Provided that in case of non-availability of eligible/suitable candidates for promotion, the post may be filled by direct recruitment through the commission.

(2) Principal, Sparsh High School for Visually Handicapped-by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Sparsh School for Visually Handicapped/ Samekit vishesh madhyamik schools/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sanket Deaf and Dumb School)/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Prayas Schools of Physically handicapped who have completed Fourteen years of service as such on first day of the year of recruitment and who possess Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(3) Principal, Sanket School for Deaf and Dumb (High School)-

(i) Fifty Percent by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Principal of Junior High School for Deaf and Dumb who have completed Ten years of service as such on first day of the year of recruitment.

COLUMN-1*Existing rule*

(4) Principal, School for Deaf and Dumb (Junior High School)- by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) of Schools for Deaf and Dumb who have completed Fourteen years of service as such on first day of the year of recruitment.

(5) Principal, High School for Physically Handicapped-by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) of Schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded who have completed Fourteen years of service as such on first day of the year of recruitment.

(6) Lecturer, Government Inter College for Visually Handicapped-

(i) Fifty Percent by the direct recruitment.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted*

(ii) Fifty Percent by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sanket Deaf and Dumb School)/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Prayas Schools of Physically handicapped/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Sparsh School for Visually Handicapped/ Samekit vishesh madhyamik schools who have completed ten years of service as such on first day of the year of recruitment and who possess Diploma in special education (Hearing Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(4) Principal, Sanket School for Deaf and Dumb (Junior High School)- by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/Special Teachers (Sanket Deaf and Dumb School)/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Prayas Schools of Physically handicapped/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Sparsh School for Visually Handi-capped/Samekit vishesh madhyamik schools who have completed ten years of service as such on first day of the year of recruitment and who possess Diploma in special education (Hearing Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(5) Principal, Prayas High School for Physically Handicapped-by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Prayas Schools of Physically handicapped/ Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sanket Deaf and Dumb School)/Trained Graduate Teacher (L.T. Grade) Sparsh School for Visually Handicapped/Samekit vishesh madhyamik schools who have completed ten years of service as such on first day of the year of recruitment and who possess Diploma in special education (Locomotor Disability/ Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(6) Lecturer, Sparsh Government Inter College for Visually Handicapped/ Samekit Vishesh Madhyamik School-

(i) Fifty Percent by the direct recruitment through the commission.

COLUMN-1

Existing rule

(ii) Fifty percent by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed Trained Graduate Teachers (L.T.Grade) of schools for Visually Handicapped who have completed five years of service as such on the first day of the year of recruitment and who possess a Postgraduate degree in the concerned subject from a university established by law in India:

Provided that if sufficient number of eligible or suitable candidates are not available for promotion, the field of eligibility may be extended to include substantively appointed Trained Graduate Teacher of schools for Deaf and Dumb and Trained Graduate Teachers of schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded who have completed five years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the knowledge of Braille with a Diploma or Certificate from an Institute recognised by the Government and a Post-graduate degree in the concerned subject from a University established by law in India:

Provided further that if the sufficient number of eligible or suitable candidates are still not available for promotion under the first proviso, the post may be filled by the direct recruitment.

(7) Trained Graduate Teacher of Schools for Visually Handicapped (L.T. Grade)–

(i) Ninety Percent by direct recruitment.

(ii) Ten Percent by promotion through the selection committee from amongst such substantively appointed Trained Graduate Teacher J.T.C. (Junior Grade) Teachers of schools for Visually Impaired who possess a Bachelor's degree and have completed ten years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the knowledge of Braille will be essential for such promotion:

Provided that in case of non-availability of eligible/suitable candidates for promotion, the post may be filled by direct recruitment.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

(ii) Fifty percent by promotion through the consultation with the Commission from amongst substantively appointed Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sparsh School for Visually/ Samekit vishesh madhyamik schools) who have completed five years of service as such on the first day of the year of recruitment:

Provided further that if the sufficient number of eligible or suitable candidates are still not available for promotion under the first proviso, the post may be filled by the direct recruitment.

(7) Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/Special Teachers (Sparsh School for Visually/Samekit vishesh madhyamik schools)–

(i) Fifty Percent by direct recruitment through the commission.

(ii) Fifty percent by promotion through the consultation with Commission from amongst such substantively appointed Trained Under Graduate Teacher J.T.C. (Junior Grade)/ Craft Teacher (Music) J.T.C. of Sparsh School for Visually Impaired/ Sanket School for Deaf and Dumb/ Prayas School For Physically Handicapped who possess a Bachelor's degree and have completed Five years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India):

Provided that in case of non-availability of eligible/suitable candidates for promotion, the post may be filled by direct recruitment.

COLUMN-1*Existing rule*

(8) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade) Of Schools for Deaf and Dumb- By direct recruitment.

(9) Trained Graduate Teachers Of Schools for Physically Handicapped (L.T. Grade)–

- (i) Fifty percent by direct recruitment.
- (ii) Fifty percent by promotion through the Selection Committee from amongst substantively appointed HTC/ JTC Teachers of Schools for Physically Handicapped, who possess Bachelor's degree in the concerned subject and have completed ten years service as such on the first day of the year of recruitment.

(10) Trained Graduate Teachers of Schools for Mentally Retarded (L.T. Grade) - By direct recruitment.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted*

(8) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Sanket School for Deaf and Dum/Samekit vishesh madhyamik schools)

- (i) Fifty Percent by direct recruitment through the commission.
- (ii) Fifty percent by promotion through the consultation with the Commission from amongst such substantively appointed Trained Under Graduate Teacher J.T.C. (Junior Grade)/Craft Teacher (Music) J.T.C. of Sanket School for Deaf and Dumb/ Sparsh School for Visually Impaired/ Prayas School For Physically Handicapped who possess a Bachelor's degree and have completed Five years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the Diploma in special education (Hearing Impaired)/(Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(9) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Prayas School For Physically Handicapped/ Samekit vishesh madhyamik schools)–

- (i) Fifty Percent by direct recruitment through the commission.
- (ii) Fifty percent by promotion through the consultation with the Commission from amongst such substantively appointed Teacher H.T.C. Grade Prayas School For Physically Handicapped, Trained Under Graduate Teacher J.T.C. of Sanket School for Deaf and Dumb / Sparsh School for Visually Impaired/ Prayas School For Physically Handicapped who possess a Bachelor's degree and have completed Five years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(10) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Mamta School for Mentally Retarded/ Samekit vishesh madhyamik schools).

- (i) Fifty Percent by the direct recruitment through the commission.
- (ii) Fifty percent by promotion through the consultation with the Commission from amongst such substantively appointed Trained Under Graduate Teacher J.T.C. (Junior Grade) of Mamta School for Mentally Retarded/Sanket School for Deaf and Dumb /Sparsh School for Visually Impaired/Prayas School For Physically Handicapped who

COLUMN-1
Existing rule

(11) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Schools for Visually Handicapped (Junior Scale)-By direct recruitment.

(12) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Government School for Physically Handicapped and Mentally Retarded (Junior Scale)- By direct recruitment.

(13) Trained Craft Teacher (Music) of Schools For Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)-By direct recruitment.

(14) Trained Under Graduate Teachers of Government School for Physically Handicapped (H.T.C. Grade) (Primary Scale)- By direct recruitment.

COLUMN-2
Rule as hereby substituted

possess a Bachelor's degree and have completed Five years service as such on the first day of the year of recruitment and who possess the Diploma in special education (Mental Retardation) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I., Government of India).

(11) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Sparsh Schools for Visually Handicapped (Junior Scale) - By direct recruitment through the subordinate commission.

(12) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Prayas Government School for Physically Handicapped and Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Mamta Government School for Mentally Retarded - By direct recruitment through the subordinate commission.

(13) Trained Craft Teacher (Music) of Sparsh Schools For Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)- By direct recruitment through the subordinate commission.

(14) Trained Under Graduate Teachers of Government Prayas School for Physically Handicapped (H.T.C. Grade) (Primary Scale)-By direct recruitment through the subordinate commission.

6. In the said rules, *after* existing sub rule 14 of rule 5, the following new sub rule 15 shall be *inserted*, namely:-

Insertion of
new sub-rule 15

15. Trained Under Graduate Teacher of Sanket School for Deaf and Dumb (J.T.C. Grade)-By direct recruitment through the subordinate commission.

7. In the said rules, *for* existing rule 8 as set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

Substitution of
Rule 8

COLUMN-1
Existing rule
8. Academic Qualification-

A candidate for direct recruitment to the various posts in the service must possess the following qualifications:-

(1) Lecturer, Government Inter College for Visually Handicapped-Essential:-

(i) A Post-Graduate Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. or M.Ed degree Visually Impaired recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

COLUMN-2
Rule as hereby substituted
8. Academic Qualification-

A candidate for direct recruitment to the various posts in the service must possess the following qualifications:-

(1) Lecturer (Sparsh Inter College For Visually Handicapped / Samekit vishesh madhyamik schools)-

(i) A Post-Graduate Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Degree in B.Ed with Special B.Ed. or M.Ed degree in Visually Impaired/ Hearing Impaired, recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

COLUMN-1*Existing rule*

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in Braille.

(iv) Registration in Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually impaired.

Preferential :

At least one year's practical experience of teaching the visually impaired.

(2) Trained Under Graduate Teacher of School for Visually Handicapped (L.T. Grade)-

Essential:-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Visually Impaired Teaching recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in Braille.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually impaired.

Preferential :-

(i) A Post-Graduate Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) At least one year's practical experience of teaching the visually impaired.

(3) Trained Graduate Teachers of Schools for Deaf and Dumb (L.T. Grade)-

Essential:-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Hearing Impaired Teaching recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted*

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/English in Braille/Sign Language.

(iv) Registration in Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for Teaching Visually impaired/ Hearing Impaired.

(2) Trained Graduate Teacher (L.T. Grade)/Special Teachers (Sparsh School for Visually/Samekit vishesh madhyamik schools).

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Visually Impaired Teaching recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in Braille.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually impaired.

(3) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Sanket School for Deaf and Dumb/Samekit vishesh madhyamik schools)-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Hearing Impaired Teaching recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

COLUMN-1

Existing rule

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/English in Sign Language.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Hearing impaired.

Preferential :-

(i) Post-graduate degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) At least one year's practical experience of teaching the Hearing impaired.

(4) Trained Graduate Teachers Of Schools for Physically Handicapped (L.T. Grade)-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Locomotor Disability/Cerebral Palsy recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/Cerebral Palsy

Preferential :-

(i) Post-graduate degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) At least one year's practical experience of teaching the student suffering from Locomotor Disability/Cerebral Palsy.

(5) Trained Graduate Teachers of Schools for Mentally Retarded (L.T. Grade)-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Mental Retardation) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Mental Retardation recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Mental Retardation.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/English in Sign Language.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Hearing impaired.

(4) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Prayas School For Physically Handicapped/ Samekit vishesh madhyamik schools)-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Locomotor Disability/Cerebral Palsy recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/Cerebral Palsy.

(5) Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/Special Teachers (Mamta School for Mentally Retarded/Samekit vishesh madhyamik schools)-

(i) Bachelor's Degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) Diploma in special education (Mental Retardation) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Mental Retardation recognised by R.C.I. from a university established by law in India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Mental Retardation.

<u>COLUMN-1</u>	<u>COLUMN-2</u>
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
<p>Preferential :-</p> <p>(i) Post-graduate degree in concerned subject from a University established by law in India.</p> <p>(ii) At least one year's practical experience of teaching Mental Retarded.</p> <p>(6) Trained Under Graduate Teachers of Schools for Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)-</p> <p>Essential:-</p> <p>(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination Recognised by the Government as equivalent thereto.</p> <p>(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.</p> <p>(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/English in Braille.</p> <p>(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually impaired.</p> <p>Preferential :-</p> <p>(i) Bachelor's degree in concerned subject from a University established by law in India.</p> <p>(ii) At least one year's practical experience of teaching the visually impaired.</p> <p>(7) Trained Under Graduate Teachers of School for Physically Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)-</p> <p>Essential:-</p> <p>(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination Recognised by the Government as equivalent thereto.</p> <p>(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Locomotor Disability/Cerebral Palsy recognised by R.C.I. from a university established by law in India.</p> <p>(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/Cerebral Palsy.</p>	<p>(6) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Sparsh Schools for Visually Handicapped (Junior Scale) –</p> <p>(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination recognized by the Government as equivalent thereto.</p> <p>(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.</p> <p>(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/English in Braille.</p> <p>(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually impaired.</p> <p>(7) Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Government School for Physically Handicapped and Mentally Retarded (Junior Scale)-</p> <p>(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination recognized by the Government as equivalent thereto.</p> <p>(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India or Special B.Ed. degree in Locomotor Disability/Cerebral Palsy recognised by R.C.I. from a university established by law in India.</p> <p>(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/Cerebral Palsy.</p>

COLUMN-1*Existing rule***Preferential :-**

(i) Bachelor's degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) At least one year's practical experience of teaching the student suffering from Locomotor Disability/ Cerebral Palsy.

(8) Trained Craft Teacher (Music) of Schools For Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)-

Essential :-

(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination Recognised by the Government as equivalent thereto with music as a subject or an equivalent Diploma in Music.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in Braille.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually Impaired.

Preferential :-

(i) Bachelor's degree in concerned subject (Music) from a University established by law in India.

(ii) At least one year's experience of teaching music to the Visually Impaired.

(9) Trained Under Graduate Teachers of Schools for Physically Handicapped (H.T.C. Grade) (Primary Scale)-

Essential:-

(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination Recognised by the Government as equivalent thereto.

(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/ Cerebral Palsy.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted*

(8) Trained Craft Teacher (Music) of Schools For Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)-

(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination Recognised by the Government as equivalent thereto with music as a subject or an equivalent Diploma in Music.

(ii) Diploma in special education (Visually Impaired) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.

(iii) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in Braille.

(iv) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Visually Impaired.

(9) Trained Under Graduate Teachers of Government School for Physically Handicapped (H.T.C. Grade) (Primary Scale)-

(i) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and Intermediate Examination, Uttar Pradesh or an Examination recognized by the Government as equivalent thereto.

(ii) Diploma in special education (Locomotor Disability/Cerebral Palsy) from an Institution recognised by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) Government of India.

(iii) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator in Locomotor Disability/ Cerebral Palsy.

COLUMN-1*Existing rule*COLUMN-2*Rule as hereby substituted***Preferential :**

(i) Bachelor's degree in concerned subject from a University established by law in India.

(ii) At least one year's experience of teaching the student suffering from Locomotor/Cerebral Palsy.

8. In the said rules, *after* existing sub rule 9 of rule 8, the following new sub rule 10 and 11 shall be *inserted*, namely:-

Insertion of new sub rule 10 and 11

10. Trained Under Graduate Teacher of School for Sanket Deaf and Dumb (J.T.C. Grade)

(1) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and intermediate education, Uttar Pradesh or an examination recognised by the Government as equivalent thereto.

(2) Diploma in special education (Hearing Impaired) from an institution recognized by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.)

(3) Knowledge of reading and writing in Hindi/ English in sign language.

(4) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching hearing impaired.

11. Trained Graduate Teacher of School for Mamta Mentally Retarded (J.T.C. Grade)

(1) Must have passed the Intermediate Examination of the Board of High School and intermediate education, Uttar Pradesh or an examination recognised by the Government as equivalent thereto.

(2) Diploma in special education (Mentally Retarded) from an institution recognized by the Rehabilitation Council of India (R.C.I.)

(3) Registration in the Rehabilitation Council of India (R.C.I.) as a special educator for teaching Mentally Retarded.

9. In the said rules, *for* existing rule 10 as set out in Column-1 below, the rules as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

Substitution of Rule 10

COLUMN-1*Existing Rule*

10 Age-A candidate for direct recruitment must have attained the minimum age and must not have attained the age more than the maximum age specified against the post in the table given below on the first day of July of the Calendar year in which vacancies are advertised:

Sl. No.	Name of Post	Minimum Age	Maximum Age
1	2	3	4
1	Lecturer, Government Inter College for Visually Handicapped	21 Years	35 Years
2	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade) of Schools for Visually Handicapped	21 Years	35 Years
3	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade) of Schools for Deaf and Dumb	21 Years	35 Years
4	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade) of Schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded	21 Years	35 Years
5	Trained Under Graduate Teachers (J.T.C. Grade) (Junior Scale) of Schools for Visually Handicapped	18 Years	35 Years
6	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade) (Junior Scale) Of Schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded	21 Years	35 Years
7	Trained Craft Teacher (Music) of schools for Visually Handicapped	18 Years	35 Years

COLUMN-1*Existing Rule*

1	2	3	4
8	Trained Under Graduate Teachers (H.T.C. Grade) (Primary Scale) of Schools for Physically Handicapped	18 Years	35 Years
9	Principal, Government Inter College for Visually Handicapped	26 Years	35 Years

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted*

10 Age-A candidate for direct recruitment must have attained the minimum age and must not have attained the age more than the maximum age specified against the post in the table given below on the first day of July of the Calendar year in which vacancies are advertised:

Sl. No.	Name of Post	Minimum Age	Maximum Age
1	2	3	4
1	Lecturer, (Sparsh Government Inter College for Visually Handicapped/ Samekit Vishesh Madhyamik School)	21 Years	40 Years
2	Trained Graduate teacher (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sparsh School for Visually/ Samekit vishesh madhyamik schools)	21 Years	40 Years
3	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sanket School for Deaf and Dumb / Samekit vishesh madhyamik schools)	21 Years	40 Years
4	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/ Special Teachers (Prayas School For Physically Handicapped/ Samekit vishesh madhyamik schools)	21 Years	40 Years
5	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/ Special Teachers(Mamta School for Mentally Retarded)	21 Years	40 Years
6	Trained Under Graduate (J.T.C.) Teachers of Prayas Schools for Physically Handicapped (Junior Scale) - By direct Recruitment.	21 Years	40 Years
7	Trained Graduate Teachers (J.T.C) Teachers of Sparsh School for Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)- By direct Recruitment.	21 Years	40 Years
8	Trained Craft Teacher (Music) of Sparsh Schools For Visually Handicapped (J.T.C. Grade) (Junior Scale)- By direct Recruitment.	21 Years	40 Years
9	Trained Under Graduate Teachers of Government Prayas School for Physically Handicapped (H.T.C. Grade) (Primary Scale)- By direct Recruitment.	21 Years	40 Years
10	Trained Under Graduate Teacher of School for Sanket Deaf and Dumb (J.T.C. Grade)	21 Years	40 Years
11	Trained Graduate Teacher of School for Mamta Mentally Retarded (J.T.C. Grade)	21 Years	40 Years

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

Substitution of
rule 14

10. In the said rules, *for* existing rule 14 as set out in Column-1 below, the rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing rule

14. Determination of vacancies-

The appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to the scheduled castes, scheduled tribes and other categories under rules 6.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

14. Determination of vacancies-

The appointing authority shall determine and intimate to the commission or the subordinate commission as the case may be the number of vacancies to be filled during the course of the year of recruitment as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to the scheduled castes, scheduled tribes and other categories under rules 6.

Substitution of
rule 15

11. In the said rules, *for* existing rule 15, as set out in Column-1 below, the rules as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing rule

15-Procedure for direct recruitment

Direct recruitment to the various categories of posts in the service shall be made in accordance with the provisions of the Uttar Pradesh Procedure of Direct recruitment for Group "C" Posts (Outside the purview of the Uttar Pradesh Public Service Commission) Rules, 2002 as amended from time to time.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

15-Procedure for direct recruitment by the subordinate commission

Direct recruitment to the various categories of posts in the service shall be made in accordance with the provisions of the Uttar Pradesh Direct recruitment to Group "C" Posts (mode and Procedure) Rule, 2015 as amended from time to time.

Substitution of
rule 15-A

12. In the said rules, *for* existing rule 15 A as set out in column 1 below, the rules as set out in column 2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing rule

15A-The Procedure for direct recruitment through the commission to the post of Principal Government Inter College for Visually Handicapped

(1) Application for being considered for selection shall be called by commission in the Performa published in the advertisement issued by commission.

(2) The commission shall, having regard to the need for securing due representation of the candidates belonging to the scheduled castes, scheduled tribes and other categories in accordance with rules 6 call for interview such number of candidates who fulfill the requisite qualification as they consider proper.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

Procedure for direct recruitment by the commission

15A-Procedure for direct recruitment by the Commission.

(1) Application for permission to appear in the competitive examination shall be invited by the Commission in the form published in the advertisement issued by the commission.

(2) No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission, issued by the commission.

COLUMN-1
Existing rule

(3) The commission shall prepare a list of candidates in order of their proficiency disclosed by the marks obtain by each candidate in the interview, if two or more candidates obtained equal marks the name of the candidates shall be arranged in accordance with the general policy of the commission. The commission shall forward the list to the appointing authority

COLUMN-2
Rule as hereby substituted

(3) After the result of the written examination have been received and tabulated, the commission shall, having regard to the need for securing due representation of the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories in accordance with rule 6, prepare a list of Candidates who are in accordance with the standards disclosed by Commission.

(4) The commission shall prepare a list of candidates in order of their proficiency as disclosed by the marks obtained by each candidate at the written examination and interview. If two or more candidates obtain equal marks, the candidate senior in age shall be placed higher in the list. The commission shall forward the list to the appointing authority.

NOTE:- The syllabus and rule for competitive examination shall be such as may be prescribed by the commission with the concurrence of the government from time to time.

13. In the said rules *for* existing rule 16, as set out in column-1 below, the rule as set out in column-2 shall be *substituted*, namely:-

Substitution of rule 16

COLUMN-1
Existing rule

16- Procedure for recruitment by promotion **16 (1) Procedure for recruitment by promotion through the Commission-**

Recruitment by promotion shall be made on the basis of seniority to the subject to the rejection of the unfit in through the Selection Committee constituted in accordance with the provisions of the Uttar Pradesh Constitution of Departmental Promotion Committee (for posts outside the purview of the Service Commission) Rules, 1992 as amended from time to time.

COLUMN-2
Rule as hereby substituted

16 (A) Procedure for recruitment by promotion through the Commission-

Recruitment by promotion shall be made on the basis of merit/ seniority to the subject to the rejection of the unfit in accordance with the Uttar Pradesh Promotion by Selection in Consultation with Public Service (Procedure) Rule, 1970 as amended from time to time.

COLUMN-1*Existing rule*

NOTE :-

(1) Nomination of officers for giving representation to the Scheduled Caste, Scheduled Tribes and other backward classes of Citizens in the Selection Committee shall be made in accordance with the order made under section 7 of the Act as amended from time to time.

(2) The appointing authority shall prepare eligibility list of the candidates in accordance with the Uttar Pradesh Promotion by Selection (on posts outside the purview of the Public Service Commission) Eligibility List Rules 1986, as amended from time to time and place the same before the Selection Committee along with their character rolls and such other records pertaining to them, as may be considered proper:

Provided that where there are two or more feeding cadres-

(a) bearing different pay scale, the candidates belonging to the cadre bearing higher pay scale shall be placed higher in the eligibility list.

COLUMN-2*Rule as hereby substituted***16 (B) Procedure for recruitment by promotion through the Departmental Selection Committee-**

(1) Recruitment by promotion shall be made on the basis of the criterion laid down in the Uttar Pradesh Government Servants Criterion by Recruitment by Promotion Rule, 1994 as amended from time to time through the selection committee constituted in accordance with the provisions of the Uttar Pradesh Constitution of Departmental Promotion Committee (for Posts outside the purview of the Service Commission) Rules, 1992 as amended from time to time.

NOTE :-

(1) Nomination of officers for giving representation to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Other Backward Classes of Citizens in the Selection Committee shall be made in accordance with the order made under section 7 of the Uttar Pradesh Public Service (Reservation for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Other Backward Classes) Act 1994 as amended from time to time.

(2) The appointing authority shall prepare eligibility list of the candidates in accordance with the Uttar Pradesh Promotion by Selection (on posts outside the purview of the Public Service Commission) Eligibility List Rules 1986, as amended from time to time and place the same before the Selection Committee along with their character rolls and such other records pertaining to them, as may be considered proper:

Provided that where there are two or more feeding cadres-

(a) bearing different pay scale, the candidates belonging to the Cadre bearing higher pay scale shall be placed higher in the eligibility list.

COLUMN-1

Existing rule

(b) bearing same pay scale the name of the candidate shall be arranged in the eligibility list in order of their date of substantive appointment in their respective Cadres. But if the date of substantive appointment of two or more candidates in the same, then in such situation the candidate who is older in age shall be placed higher in the eligibility list.

(3) The Selection Committee shall consider the cases of candidates on the basis of records, referred to in sub-rule (2), and if it considers necessary it may interview the candidates also.

(4) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates in order of seniority as it stood in the Cadre from which they are to be promoted and forward the same to the appointing authority.

COLUMN-2

Rule as hereby substituted

(b) bearing same pay scale the name of the candidate shall be arranged in the eligibility list in order of their date of substantive appointment in their respective Cadres. But if the date of substantive appointment of two or more candidates is the same, then in such situation the candidate who is older in age shall be placed higher in the eligibility list.

(3) The Selection Committee shall consider the cases of candidates on the basis of records, referred to in sub-rule (2), and if it considers necessary it may interview the candidates also.

(4) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates in order of seniority as it stood in the cadre from which they are to be promoted and forward the same to the appointing authority.

14. In the said rules, *for* existing sub-rule (1) of rule 18 as set out in Column-1 below, the sub-rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

Amendment of rule 18

COLUMN-1

Existing sub-rule

18-(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidates in the order in which they stand in the lists prepared under rules 15, 16 or 17, as the case may be.

COLUMN-2

Sub-rule as hereby substituted

18-(1) Subject to the provisions of sub rule (2), the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidates in the order in which they stand in the lists prepared under rules 15, 15-A, 16-A, 16-B or 17 as the case may be.

15. In the said rules, *for* existing sub-rule (2) of rule 22 as set out in Column-1 below, the sub-rule as set out in Column-2 shall be *substituted*, namely:-

Amendment of rule 22

COLUMN-1

Existing sub rule

22 (2)-The scales of pay at the time of the commencement of the Uttar Pradesh Handicapped Welfare Department Teachers Service (Second Amendment) Rule, 2011 are given in the Appendix.

COLUMN-2

Sub rule as hereby substituted

22 (2)-The scales of pay at the time of the commencement of the Uttar Pradesh Department of Empowerment of Persons with Disabilities Teachers Service (Fourth Amendment) Rules, 2022 are given in the Appendix.

Substitution of Appendix 16. In the said rules, *for* existing Appendix as set out in column-1 below, the Appendix as set out in column-2 shall be *substituted*, namely:-

COLUMN-1

Existing Appendix

[See rules 4(2) and 22(2)]

Serial	Name of post	Grade	Number of posts			Institution for which post is created	Scales of Pay			
			Perma nent	Temp orary	Total		Name of Pay Band	Corres- ponding Pay Band (Rs.)	Corres- ponding Grade Pay (Rs.)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Principal, inter College	-	-	3	3	Government Inter College for Visually handicapped, Lucknow (Boys)-1 Lucknow (Girls)-1 Gorakhpur-1	Pay Band-3	15600- 39100	7600	
2	Principal, High School	-	2	-	2	Government High School for Deaf and Dumb Agra-1 Gorakhpur-1	Pay Band-3	15600- 39100	5400	
3	Principal, High School	-	2	-	2	Government School for Physically Handicapped Lucknow-1 Pratapgarh-1	Pay Band-3	15600- 39100	5400	
4	Principal, High School	-	2	-	2	Government High School for Visually Handicapped Banda-1 Saharanpur-1	Pay Band-3	15600- 39100	5400	
5	Principal, Junior High School	-	2	-	2	Government Junior High School for Deaf and Dumb Farrukhabad-1 Bareilly-1	Pay Band-2	9300- 34800	4800	
6	Lecturer,	Lecturer Grade	-	24	24	Government Inter College for Visually handicapped, Lucknow (Boys)-8 Lucknow (Girls)-8 Gorakhpur-8	Pay Band-2	9300- 34800	4800	
7	Trained Graduate Teacher of Schools for Visually handi- capped	L.T. Grade	10	25	35	Government Inter College: Lucknow (Boys)-9 Lucknow (Girls)-9 Gorakhpur-9 Government Junior High School Saharanpur-3 Banda-5	Pay Band-2	9300- 34800	4600	

COLUMN-1
Existing Appendix
[See rules 4(2) and 22(2)]

Serial	Name of post	Grade	Number of posts			Institution for which post is created	Scales of Pay			Remarks
			Perma nent	Temp orary	Total		Name of Pay Band	Corres- ponding Pay Band (Rs.)	Corres- ponding Grade Pay (Rs.)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
8	Trained Graduate Teacher of School for Deaf and Dumb	L.T. Grade	15	7	22	Government High School, Agra-8 Gorakhpur-3 Government Junior High School Farrukhabad-4 Bareilly-7	Pay Band-2	9300-34800	4600	
9	Trained Graduate Teacher of School for Physically Handi-capped and Mentally Retarded	L.T. Grade	4	4	8	Government High School for Physically Handicapped Pratapgarh-2 Lucknow-2 Government School for Mentally Retarded. Allahabad-2 Lucknow-2	Pay Band-2	9300-34800	4600	
10	Trained under Graduate Teacher of Schools for Visually handi-capped	J.T.C. Grade (Junior Scale)	2	12	14	Government Inter College Lucknow (Boys)-4 Lucknow (Girls)-4 Gorakhpur-4 Government Junior High School Saharanpur-2	Pay Band-2	9300-34800	4200	
11	Trained under Graduate Teacher of Schools for Physically Handi-capped and Mentally Retarded	J.T.C. Grade (Junior Scale)	4	-	4	Government High School Lucknow-2 Pratapgarh-2	Pay Band-2	9300-34800	4200	
12	Trained Craft Teacher (Music) of Schools for Visually handi-capped.	J.T.C. Grade (Junior Scale)	4	6	10	Government Inter College Lucknow (Boys)-2 Lucknow (Girls)-3 Gorakhpur-4 Government Junior High School Saharanpur-1	Pay Band-2	9300-34800	4200	

COLUMN-1*Existing Appendix*

[See rules 4(2) and 22(2)]

Serial	Name of post	Grade	Number of posts			Institution for which post is created	Scales of Pay			
			Perma- nent	Temp- orary	Total		Name of Pay Band	Corres- ponding Pay Band (Rs.)	Corres- ponding Grade Pay (Rs.)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
13	Trained under Graduate Teacher of Government Schools for Physically Handi-capped	H.T.C. Grade (Primary Scale)	4	-	4	Government High School Lucknow-2 Pratapgarh-2	Pay Band-2	9300-34800	4200	

COLUMN-2*Appendix as hereby substituted*

[(See rule 4(2) and 22(2))]

Sl. no.	Name of Posts	Grade	Number of posts			Pay Matrix		Remarks
			Permanent	Temporary	Total	Level	Pay Scale	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Principal Sparsh Government Inter College for visually handicapped/ Principal Samekit Vishesh Madhyamik Vidiyalaya	-	06	04	10	Level - 12	Rs. 78800 – 209200	
2	Principal, High School (Sparsh, Sanket, Prayas)	-	5	—	5	Level - 10	Rs. 56100 – 177500	
3	Principal, Junior High School	-	3	-	3	Level - 8	Rs. 47600–151100	
4	Lecturer, (Sparsh Government Inter College for Visually Handicapped/ Samekit Vishesh Madhyamik School)	-	48	36	84	Level - 8	Rs. 47600–151100	
5	Trained Graduate Teachers (L.T. Grade)/ Special Teachers (Sanket School for Deaf and Dumb / Samekit vishesh madhyamik schools)	L.T. Grade	86	62	148	Level - 7	Rs. 44900 - 142400	
6	Trained Under Graduate Teacher of Sanket School for Deaf and Dumb (J.T.C. Grade)	J.T.C Grade	-	15	15	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	
7	Trained Graduate Teacher of School for Mamta Mentally Retarded (J.T.C. Grade)	J.T.C Grade	-	02	02	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	

COLUMN-2*Appendix as hereby substituted**[(See rule 4(2) and 22(2))]*

Sl. no.	Name of Posts	Grade	Number of posts			Pay Matrix		Remarks
			Permanent	Temporary	Total	Level	Pay Scale	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
8	Trained under Graduate Teacher of Schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded	(HTC Grade, Primary Scale)	4	-	4	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	
9	Trained under Graduate Teacher of Schools for Physically Handicapped and Mentally Retarded	J.T.C. Grade (Junior Scale)	4	-	4	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	
10	Trained under Graduate Teacher of Schools for Visually Handicapped	J.T.C. Grade (Junior Scale)	26	-	26	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	
11	Trained Craft Teacher (Music) of Schools for Visually handicapped.	J.T.C. Grade (Music)	19	-	19	Level - 6	Rs. 35400 – 112400	
	Total:-		201	119	320			

17. In the said rules, existing rule 24 shall be *omitted*.Omission of
rule 24

By order,
HEMANT RAO,
Apar Mukhya Sachiv.